प्रेस विज्ञप्ति

तटरक्षक पोत वरद द्वारा चेन्नई बंदरगाह में वाणिज्य पोतों का बचाव

12 दिसंबर 2016 को चेन्नई में आये भयंकर चक्रवातीय तूफान "वरडाह" के कारण भारी बारिश हुई, आंधी जोरों से चली तथा मौसम इतना खराब हुआ कि चल रही आंधी की गति 100 किमी प्रति घंटा से अधिक दर्ज की गई। तूफान के कारण चेन्नई बंदरगाह में लंगर डाले हुए पोतों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। लगभग 0940 बजे बंदरगाह की क्रेन पोत 'एफ.सी. थंगम' की रस्सी खुल गई तथा पोत बह कर सक्रिय सेवा से हटाये गये सबमेरिन 'वागली' से जा टकराई, परिणामस्वरूप उस सबमेरिन की रस्सी भी खुल गई। तत्पश्चात्, थोड़ी ही देर में, 'एम वी अकबर', डीसीआई ड्रेगर 'कावेरी' तथा डी सी आई 'वीएच 1' की रस्सी भी एक-एक करके खुलने लगी। विक्षुब्ध होकर सभी पोत बंदरगाह न्यास से सहायता को पुकार कर रहे थे। फलस्वरूप दो कर्षण करने वाले 'सी लाइन एपेक्स' तथा 'ओशियन फेम' को सेवा में लगाया गया परंतु लंगरगाह पार्टी की अनुपलब्धता एवं तूफानी मौसम के कारण कर्षण करने वाले अनियंत्रित ढंग से बह रही पोत को केवल रोक ही पा रहे थे। इस स्थिति में, जीवन के लिए खतरनाक भयंकर चक्रवातीय तूफान में सीएचपीटी सहायता के लिए किसी भी व्यक्ति को आगे भेजने में असमर्थता व्यक्त कर रही थी।

स्थिति को समझते हुए तथा बहती हुई पोत का लंगर डाले हुए अन्य पोत से टकराकर उसकी सुरक्षा को खतरे में पड़ता देखकर, भारतीय तटरक्षक पोत वरद ने बहती हुई पोत में पुनः लंगर डालने के कठिन कार्य को करने का निर्णय लिया। स्थिति से निपटने के लिए पोत ने अतिरिक्त जनशक्ति एवं रस्सी के साथ दो दलों को कार्य में लगाया। चेन्नई बंदरगाह न्यास ने आसन्न स्थिति में भारतीय तटरक्षक पोत वरद को दोनों कर्षणों की सहायता से पुनः लंगर डालने के अभियान में नेतृत्व करने का अनुरोध किया। भारतीय तटरक्षक दल ने कार्य का शुभारंभ किया तथा दो कर्षणों की सहायता द्वारा बहती हुए पोत में पुनः लंगर डालने की सफलता अर्जित की।

भारतीय तटरक्षक दल के नेतृत्व में भारतीय तटरक्षक एवं सीएचपीटी के संयुक्त दल द्वारा ऐसी खतरनाक स्थिति में किये गये साहसिक कार्य तथा प्रदर्शित शौर्य की प्रशंसा संपूर्ण समुद्री बिरादरी ने की।